माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे

माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागडे जी का जन्म कृषक परिवार में हुआ। आप आरंभ से ही जन–सेवा के सरोकारों से जुड़े रहे है। समाज सेवा, कृषि एवं डैयरी क्षेत्र में आपका गहन अध्ययन ही नहीं है बल्कि आपने इन क्षेत्रों के विकास के लिए निरंतर कार्य किया है।

माननीय राज्यपाल महोदय की ग्रामीण विकास में गहरी रुचि है। कमजोर और पिछड़े वर्गों के कल्याण महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर आपने कार्य किया है।

महाराष्ट्र में आपकी पहल पर एक बड़ी पहल यह भी हुई है कि वहां सहकारिता आंदोलन को आपने गति दी। किसानों को दूध से संबंधित व्यापार शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करके दूध विपणन को आपने निरंतर बढ़ावा दिया है। गन्ना किसानों के लिए आपने बहुत महती कार्य करते हुए उन्हें उनकी फसल का उचित लाभ प्रदान करने के लिए बाकायदा गन्ना कारखाने स्थापित किए।

औरंगाबाद- छत्रपती संभाजीनगर और जालना जिलों में अकाल उन्मूलन के उद्देश्य से गठित आरएसएस समिति के कार्यकारी अध्यक्ष आप रहे। आपका राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से बचपन से ही जुड़ाव हो गया था। पत्रकारिता के अंतर्गत साप्ताहिक पत्रिका 'विवेक' के प्रतिनिधि के रूप में भी आपने कार्य किया।

राजनीतिक कैरियर

पिछले साठ सालों से आप राजनीति में निरंतर सक्रिय हैं। महाराष्ट्र के शीर्ष नेताओं और सहकारिता आंदोलन से निकटता से जुड़े रहने के साथ आपने समय–समय पर आम जन के लिए आवाज उठाते हुए उनके हितों के लिए निरंतर कार्य किया है। आपातकाल लगाए जाने के विरुद्ध आंदोलन का नेतृत्व किया और इसके विरोध में सत्याग्रह किया

2004 में आप महाराष्ट्र भाजपा के उपाध्यक्ष बने। भाजपा के विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में आप रहे।

विधायक पद पर निरंतर छह बार

आप लगातार **छह** बार विधायक रहे हैं। वर्ष 1985, 1990, 1995, 1999 में **छत्रपती संभाजीनगर** पूर्व निर्वाचन क्षेत्र से और 2014 में औरंगाबाद जिले के फुलंब्री निर्वाचन क्षेत्र से महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य के रूप में आप चुने गए। 2019 से 2024 तक फुलंब्री विधानसभा क्षेत्र के विधायक रहे।

आपने रोजगार गारंटी योजना, सार्वजनिक खातों, सार्वजनिक उपक्रमों और विधायिका की विभिन्न संयुक्त समितियों पर काम किया और विधायी समितियों के सदस्य रहे।

मंत्री पद पर कार्य

- रोजगार गारंटी योजना और बागवानी मंत्री, महाराष्ट्र सरकार, 1995-97

- खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री, 1997-99
- जालना जिले के संरक्षक मंत्री, 1995-99

विधानसभा अध्यक्ष

12 नवंबर 2014 को महाराष्ट्र विधान सभा का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। विधानसभा अध्यक्ष रहते संसदीय कार्यप्रणाली और विधायी मर्यादा के लिए आपने निरंतर कार्य किया।

अभी त्यागपत्र देकर आपने राज्यपाल पद पर कार्यभार संभाला है।

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ

1981 में देवगिरी नगरी सहकारी बैंक लिमिटेड, औरंगाबाद की स्थापना की और 1985 में क्रांति चौक, औरंगाबाद में अपनी पहली शाखा खोली।

- देवगिरि नगरी सहकारी बैंक, औरंगाबाद के उपाध्यक्ष और अध्यक्ष
- 1974 से संस्थापक, दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति, चितेपिंपलगाव, जिला औरंगाबाद
- संस्थापक सदस्य, पंडित दीनदयाल उपाध्याय शिक्षा संस्थान, वरुड (1985 से अध्यक्ष)
- जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ, औरंगाबाद (अगस्त 2011 से 2024 तक अध्यक्ष रहे। परोपकार की अवधि में, महासंघ ने आईएसओ प्रमाणन प्राप्त किया। महाराष्ट्र सरकार ने 2014 में फेडरेशन को सहकार भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया
- संस्थापक और अध्यक्ष, छत्रपति संभाजी राजे शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, चितेपिंपलगाव, 2001
- संस्थापक और अध्यक्ष, संभाजी राजे ग्रामीण गैर-कृषि सहकारी ऋण समिति, चिट्टेपम्पल गॉव

विदेश यात्राएं

उच्च स्तरीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के साथ इजराइल, काइरो (मिस्र), यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, सिंगापुर, चीन, नॉर्वे, डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड, होन्ग कोंग की यात्रा